ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 22-08-2023

औरैया(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-08-22 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-08-23	2023-08-24	2023-08-25	2023-08-26	2023-08-27
वर्षा (मिमी)	67	115	0	0	0
अधिकतम तापमान(से.)	34.8	29.7	33.3	33.7	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.1	23.5	24.4	24.6	25.8
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	81	88	71	75	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	62	70	51	49	46
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	14	18	19	17	19
पवन दिशा (डिग्री)	238	236	252	249	252
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	6	6	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले पांच दिनों में मध्यम से घने बादल छाये रहने के कारण दिनांक 23-24 अगस्त, 2023 के मध्य तेज हवाएं एवं आंधी/तूफान/बिजली के साथ स्थानीय स्तर पर मध्यम से अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 30.0 -35.0 और 24.0- 26.0 डिग्री सेल्सियस के बीच है। सापेक्ष आर्द्रता अधिकतम और न्यूनतम सीमा 65 - 88 और 46 - 70% के बीच है। हवाओं की दिशा दक्षिण-पश्चिम और हवाओं की गति 14.0 - 19.0 किमी प्रति घंटा चलने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसानो को सलाह दी जाती हैं कि वे बर्षा की सम्भावना को देखते हुए खरीफ की खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य स्थगित रखें तथा निराई -गुड़ाई एवं बुवाई का कार्य आसमान साफ होने पर करें ।पशुओं को सुबह-शाम नहलायें, छायेदार स्थान पर रखें, 3-4 बार पानी पिलायें। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशकों स्प्रे न करें। छिड़काव शाम को किया जाना चाहिए, यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानो को सलाह दी जाती हैं कि वे धान की फसल को छोड़कर शेष सभी फसलों से अत्याधिक बर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें तथा खड़ी फसलों में सिंचाई का कार्य स्थगित रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान में खैरा रोग दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु 20-25 किलोग्राम जिंक सल्फेट व 2.5 किलोग्राम चूना 800 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। धान की फसल में यूरिया की दूसरी टॉप ड्रेसिंग रोपाई के 55 -60 दिन बाद 60 से 65 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से करें। ध्यान रहे कि टॉप ड्रेसिंग से पूर्व खरपतवार निकाल दें तथा टॉप ड्रेसिंग करते समय खेत में 2 से 3 सेंटीमीटर से अधिक पानी न हो। धान की फसल में जड़ की सुड़ी कीट का प्रकोप दिखाई देने पर कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4% दानेदार रसायन 20 से 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से तीन से चार सेंटीमीटर स्थिर पानी में बुरकाव करें । धान की फसल में तना छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु क्लोरपायरीफास 20 ई.सी. 1.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम में करे।
मक्का	अत्याधिक बर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। मक्के की फसल में यूरिया की दूसरी टॉपड्रेसिंग नरमंजरी निकलते समय 60 से 70 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से वर्षा न होने की दशा में करे। मक्के की फसल में तना बेधक /प्ररोह मक्खी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 250 ग्राम /हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम पर करें।
मूँगफली	अत्याधिक बर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। खड़ी फसलों की निराई - गुड़ाई कर खरतपवारों से मुक्त रखें साथ ही खरतपवारों द्वारा मल्चिंग का कार्य करें। मूँगफली की फसल में सफेद गिडार/ दीमक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु फिप्रोनिल 0.3 % जी.आर. 20 किलोग्राम/हेक्टेयर की दर से बुरकाव करे। मूँगफली की फसल में नमी की कमी तथा तापमान अधिक होने पर डाईरूट राट या चारकोल राट रोग का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु मूँगफली की फसल में सिचाई कर उचित नमी बनायें रखें ।
तिल	अत्याधिक बर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। खड़ी फसलों की निराई - गुड़ाई कर खरतपवारों से मुक्त रखें साथ ही खरतपवारों द्वारा मल्चिंग का कार्य करें। तिल की फसल में पत्ती व फल की सूण्डी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 250 ग्राम /हेक्टेयर या क्यूनालफास 25% ई सी 1. 25 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम पर करें।
काला चना	अत्याधिक बर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। खड़ी फसलों की निराई - गुड़ाई कर खरतपवारों से मुक्त रखें साथ ही खरतपवारों द्वारा मल्चिंग का कार्य करें। उर्द की फसल में खरपतवार के निंयत्रण हेतु इमैजाथापर १० एस.एल. १.० लीटर /हेक्टयर की दर से बुवाई के 15-20 दिन बाद 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करे।
मूँग	अत्याधिक बर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। खड़ी फसलों की निराई - गुड़ाई कर खरतपवारों से मुक्त रखें साथ ही खरतपवारों द्वारा मल्चिंग का कार्य करें। मूँग की फसल में खरपतवार के निंयत्रण हेतु इमैजाथापर १० एस.एल. १.० लीटर /हेक्टयर की दर से बुवाई के १५-२० दिन बाद ५००-६०० लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	खरीफ में रोपी जाने वाली सब्जियों जैसे- बैगन, मिर्च, टमाटर और अगेती फूलगोभी आदि फसलों की तैयार पौध की रोपाई करें। यदि खेत में पानी रुकने की संभावना है तो अगेती फूलगोभी, बैगन, टमाटर, मिर्च आदि की रोपाई मेड़ों पर करें।सब्जिओ की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके निंयत्रण हेतु नीम आयल की १.५ मिली0/लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 छिड़काव 8-10 दिन के अंतराल पर आसमान साफ होने पर करे।
आम	आम, अमरुद, आँवला, नीबू आदि के पहले से भरे गए गड्ढो में नए पौधों की रोपाई का कार्य करें । नए बागो में नष्ट हुए पौधो के स्थान पर नए पौधों की रोपाई करे। केले/पपीते के बागो की गुड़ाई-करके तने के चारो तरफ 25-३० सेंटीमीटर ऊंची मिटटी चढ़ा दे स्टेंडिंग करे। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु २%कार्बरिल 1.5 % धूल का बुरकाव आसमान साफ होने पर करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को साफ-सुथरे स्थान पर रखें तथा पशुओं को डास मक्खी और मच्छर से बचाव के लिए धुआं करें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओ को तालाबों या अन्य जगह के रुके हुए पानी को न पिलाये, इससे पशुओ को लीवर फ्लू व पेट के कीड़े होने की संभावना रहती है। पशुओं के पेट में कीड़ों की रोकथाम हेतु कृमिनाशक दवा देने का सर्वोत्तम समय है। पशुओ को गलाघोटू तथा लंगड़िया बुखार का टीकाकरण टीकाकरण कराये। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3-4 बार अवश्य पिलायें। पशुओं को पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधे क्योकि इस सप्ताह हवाओं की गति तेज रहने के कारण पेड़/पेड़ो की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गी घर के बिछावन को सूखा एवं साफ रखें। मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करे। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। मुर्गियों के पेट में पड़े कीड़ो की रोकथाम हेतु (डिवमिर्ग) के दवा दे ।